

18⁴/₂ फादली पेस हो। डेक्कीवलय वादीगण
 अगुयल्लित। डेक्कीवलय प्रतिवारी उपल्लित।
 ३. न्यायालय स्वमय में रुक-रुक कर
 कई बार आज जो लागू है। डेक्कीवलय
 वादीगण अगुय वारीगण स्वयं उपल्लित
 न हो हुरा। इतः प्रमाण अदम हाजरी
 अदम पेशी अदम सुरुत में जारी
 किया जाय हो। डिक्की जारी हो। फादली
 फादली सुमा होकर नकर ले कम हो

(श्याम सुन्दर विश्वादी)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी
 चित्तौड़गढ़ (राज.)